विद्या सर्वार्थि साधिका

आनंदालय

सामयिक परीक्षा – 1

कक्षा : ग्यारहवीं

विषय : हिन्दी (केंद्रिक)

दिनांक : 18/07/2019

अधिकतम अंक : 40

निर्धारित समय: 2 घंटे

ामान्य निर्देश –

- इस प्रश्न पत्र में तीन खंड हैं– क, ख, ग।
- तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथा संभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड–क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए :–

सच्चा उत्साह वही होता है जो मनुष्य को कार्य करने के लिए प्रेरणा देता है। मनुष्य किसी भी कारणवश जब किसी के कष्ट को दूर करने का संकल्प करता है तब जिस सुख का वह अनुभव करता है, वह सुख विशेष रूप से प्रेरणा देने वाला होता है। जिस भी कार्य को करने के लिए मनुष्य में कष्ट, दुख या हानि को सहन करने की ताकत आती है, उन सबसे उत्पन्न आनंद ही उत्साह कहलाता है। उदाहरण के लिए–दान देने वाला व्यक्ति निश्चय ही अपने भीतर एक विशेष साहस रखता है और वह है धन-त्याग का साहस। यही त्याग यदि मनुष्य प्रसन्नता के साथ करता है तो उसे उत्साह से किया गया दान कहा जाएगा। उत्साह, आनंद और साहस का मिला-जुला रूप है। उत्साह में किसी-न-किसी वस्तु पर ध्यान अवश्य केंद्रित होता है। वह चाहे कर्म पर हो, चाहे कर्म के फल पर और चाहे व्यक्ति या वस्तु पर हो। इन्हीं के आधार पर कर्म करने में आनंद मिलता है। कर्म-भावना से उत्पन्न आनंद का अनुभव केवल सच्चे वीर ही कर सकते हैं क्योंकि उनमें साहस की अधिकता होती है। सामान्य व्यक्ति कार्य पूरा हो जाने पर जिस आनंद को अनुभव करता है, सच्चा वीर कार्य प्रारंभ होने पर ही उसका अनुभव कर लेता है। आलस्य उत्साह का सबसे बड़ा शत्रु है। जो व्यक्ति आलस्य से भरा होगा, उसमें काम करने के प्रति उत्साह कभी उत्पन्न नहीं हो सकता। उत्साही व्यक्ति असफल होने पर भी कार्य करता रहता है। उत्साही व्यक्ति सदा दृढ़ निश्चयी होता है।

(क) कौन–सा ऐसा व्यति होगा जिसमें उत्साह कभी उत्पन्न नहीं हो सकता ? (1)

(ख) 'उत्साह' का सबसे बड़ा शत्रु कौन है ? (1)

(ग) दानी व्यक्ति कैसा साहस रखता है ? (1)

(घ) मनुष्य को कार्य करने की प्रेरणा कौन देता है और कैसे ? (2)

(ङ) कर्म-भावना से उत्पन्न आनंद का अनुभव कौन कर सकता है और कैसे ? (2)

ख्रण्ड ख्र

2. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 250 शब्दों में निबंध लिखिए– (8)

(क) देश के उत्थान में युवाओं का योगदान

(ख) स्त्री को शिक्षा

(ग) बुरा जो देखन मैं चला

(घ) सादा जीवन उच्च विचार

3. आपके मोहल्ले में बिजली की आपूर्ति अनियमित एवं अनिश्चित है। प्रायः वोल्टेज कम या अधिक होता रहता है। इस संबंध में अपने जनपद के संबंधित मुख्य विद्युत अभियंता को पत्र लिखिए। (5)

अथवा

आपके मोहल्ले में एक धार्मिक स्थल पर ऊँचे स्वर में लाउडस्पीकर बजता रहता है, जिससे स्थानीय लोगों और विशेषकर बोर्ड की परीक्षा देने वाले छात्रों को बहुत परेशानी उठानी पड़ रही है। इस ओर ध्यान आकर्षित कराते हुए थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए।

खण्ड ग

4. निम्नलिखित काव्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

पग घुँघरू बाँध मीरा नाची, रे ।

मैं तो मेरे नारायण की, आपहि होगई दासी, रे।

लोग कहें मीरा भई बावरी, न्यात कहैं कुल नासी, रे।

बिष का प्याला राणाजी भेज्या, पीवत मीरा हाँसी, रे।

मीरा के प्रभु गिरधरनागर, सहज मिले अविनासी, रे।।

(क) मीरा के घुँघरू बाँधकर नाचने का क्या प्रयोजन था ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (2)

(ख) नारायण की दासी किसके कहने पर हो गई और क्यों ? (2)

(ग) मीरा को किन लोगों ने बावरी कहा और किसने कुल नासीनी बताया ? (2)

(घं) विष का प्याला भेजने पर मीरा क्यों हँसी और क्या कहा ? (2)

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) दारोगा वंशीधर गैरकानूनी कार्यों की वजह से पंडित आलोपीदीन को गिरफ़्तार करता है, लेकिन कहानी के अंत में इसी पंडित आलोपीदीन की सहृदयता पर मुग्ध होकर उसके यहाँ मैनेजर की नौकरी को तैयार हो जाता है। आपके विचार से वंशीधर का ऐसा करना उचित था ? आप उसकी जगह होते तो क्या करते ? (3)

(ख) संत कबीर जग को बौरा क्यों कहते हैं। सोदाहरण स्पष्ट किया है। (3)

(ग) 'न्याय के मैदान में धर्म और धन में युद्ध ठन गया।' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए। (2)

6. (क) शास्त्रीय एवं चित्रपट दोनों तरह के संगीतों के महत्त्व का आधार क्या होना चाहिए ? कुमार गंधर्व का इस संबंध में क्या विचार है ? स्वयं आप क्या सोचते हैं। तर्क सहित उत्तर लिखिए। (4)

अथवा

(ख) लता ने चित्रपट – संगीत में मुख्यतया किस प्रकार के गाने गाए हैं और क्यों ?